

बढ़ता राजस्थान

• Since : 2004

कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 11 | अंक : 305

टोक | सोमवार, 22 जुलाई, 2024

श्रावण, कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत्-2081

भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

। मूल्य: ₹1.00 | पृष्ठ: 08

केदारनाथ पैदल मार्ग पर 3 तीर्थ्यात्रियों की मौत गौरीकुंड के पास पहाड़ से पत्थर गिरने से हादसा, 8 लोग घायल



बढ़ता राजस्थान

रुद्रप्रयाग। उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर पथरे गिरने से तीन तीर्थ्यात्रियों की मौत हो गई है। इस हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं। यात्री गौरीकुंड से 3 किलोमीटर दूर चिङ्गारीवासा में बने पैदल मार्ग से केदारनाथ धाम की तरफ जा रहे थे, जब वे सुबह की 7:30 बजे पत्थरों की चपेट में आ गए। हादसे की जानकारी रुद्रप्रयाग डिस्ट्रिक्ट डिजिटार मैनेजमेंट के नंदन सिंह रजवार ने दी है। जलवार ने बताया कि मरने वाले में महाराष्ट्र के नागारु से किशोर अरुण परें, अरावली के प्रसार और प्रशासन ने दूसरे के बाद मलबे से 8 लोगों का रेक्यू किया था ये सभी घायल थे, इन्हें हाँस्प्रिटल में भर्ती कराया गया है।

147 साल में पहली बार! इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में हासिल की बड़ी उपलब्धि, बनाया शानदार रिकॉर्ड



नई दिल्ली। इंग्लैंड टीम अधिकारिक अपने 147 साल के इतिहास में पहली बार टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाब रही है। नाटिकम के टैट ब्रिज में दूरप्रयाग जिले में बने इंग्लैंड कपी टेस्ट क्रिकेट की दोनों पारियों में 400 का अंकड़ा नहीं छोड़ पाइ है। गोरखपाल हाँसी की जिमजावन टीम ने बड़े से अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और दोनों पारियों में विश्वाल स्कोर बनाया। ओली पोप के शाक की बटीलत इंग्लैंड ने पहली पारी में 416 रन बनाए, जबकि हरी ब्लैक और जे रूट के बटौलों की बटौली में जिमजावन का प्रसार किया जा सकता है। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में यह पहली बार हुआ कि तीन पारियों में 400 से ज्यादा सर्व बने।

पहली बार हुआ था काराराम-वर्ही, यह पहला मौका है जब इंग्लैंड ने टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 400 से ज्यादा सर्व बना है। इंग्लैंड 1877 से टेस्ट मैच खेले हैं और सभी टेस्ट मैच मार्च 1877 में मॉस्ट्रिलिया के खिलाफ रहा था। तब से अब तक इंग्लैंड ने 1073 टेस्ट मैच खेले हैं, लेकिन वे कभी भी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 400 से ज्यादा सर्व बने।

गोवा में कार्गो शिप में लगी आग काबू, 1 क्रू मेंबर की मौत

बढ़ता राजस्थान

पर्यावरण (एजेंसी)। गोवा के तट के पास मर्चेंट नेवी के शिप में 19 जुलाई को लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इंडियन कोर्ट गार्ड की जानकारी को जारी ने बताया कि पीडित लड़के को सुबह 10.50 बजे दिल का दौँग पड़ा। इसके बाद उसे वैटेलर सेट पर भी रखा गया, जिसकी वजह से आग पर काबू पाने में मदद मिली। शिप के जिस हिस्से में खतरनाक कार्गो रखा था वहाँ आग नहीं लगी थी।

इंडियन कोर्ट गार्ड के द्वितीय इंप्रेटर जनरल मनोज भटिया ने कहा कि शुक्रवार को हेलिकॉप्टर की मदद से ड्राई कोमिकल पाउडर शिप पर डाला गया, जिसकी वजह से आग पर काबू पाने में मदद मिली। शिप के जिस हिस्से में खतरनाक कार्गो रखा था वहाँ आग नहीं लगी थी।

गोवा में कार्गो शिप में लगी आग का बाबू, 1 क्रू मेंबर की मौत



बढ़ता राजस्थान

मलपुरम। केरल के मलपुरम में निपाह वायरस से पीड़ित 14 साल के लड़के की रविवार की मौत हो गई है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि पीडित लड़के को सुबह 10.50 बजे दिल का दौँग पड़ा। इसके बाद उसे वैटेलर सेट पर भी रखा गया, जिसकी वजह से अंदर संक्रमित लड़के को एंटीबॉडी देने में देर हो गई थी।

वीना ने बताया कि संक्रमित लड़के को आंसूलेली से मिली मोनोकोलोनल प्रीट्रोकाल के लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।

2018 के बाद से 5वीं बार केरल में निपाह का संक्रमण फैला है। इसके बाद 2019, 2021 और 2023 में भी इसके केस

मुताबिक किया जाएगा। इसके लिए लड़के की परियार और माता-पिता से बात की जा रही है। वहाँ, उसके संपर्क में आए 3 रिसेटेदारों को निपाहनी में रखा गया है।



सीएम भजनलाल ने परिवार के साथ लिया गुरु का आशीर्वाद गुरु पूर्णिमा पर 2 घंटे मंदिर में बिताए, लोगों से मुलाकात भी की

बद्धता राजस्थान

भरतपुर। सीएम भजनलाल शर्मा गुरु पूर्णिमा के मौके पर भरतपुर के लुधावड के हनुमान भगवान के मंदिर पर पहुंचे। जहां उन्होंने अपने गुरु महामंडल श्रवण रामदास महाराज से आशीर्वाद लिया।

साथ ही भगवान की पूजा अर्चना की सीएम मंदिर में करीब 2 घंटे तक रुक। सीएम के साथ उनके परिवार के लोग मौजूद रहे।

जिसके बाद सीएम सीधे हेलिकॉप्टर के जरूर जयपुर के लिए रवाना हो गए। सीएम भजन

लाल शर्मा डीग जिले के पूछरी के लौट से हेलिकॉप्टर के जरिए बांसी पहुंचे। बांसी में हेलिपैड बनाया गया था। जहां से वह कर के द्वारा हनुमान भगवान के मंदिर पहुंचे। इस दौरान काफी संख्या में लोग सीएम पर पहुंचे। सीएम की सुक्ष्मा के लिए सीएम के आई के बाद मंदिर में सभी ब्राह्मलुओं को प्रवेश बद किया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने परिवार के साथ करीब 2 घंटे तक मंदिर में पूजा अर्चना की जिसके बाद वह जयपुर के लिए

रवाना हुए। इस दौरान वेर विधायक बहादुर सिंह कांती और कामा विधायक मौजूद रहे।

सीएम कल शर्मा पूछरी के लौट पहुंचे थे। जहां सीएम की तरफ से भंडरे का आशीर्वाद लिया गया था। सीएम अपने हाथों से ब्राह्मलुओं को प्रसादी बांटी थी। सीएम की तरफ से हर साल गुरु पूर्णिमा के मौके पर भंडरा कराया जाता है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने पूछरी के लौट सहित आसपास के मंदिरों के दर्शन किए थे। रात में सीएम भजनलाल शर्मा पूछरी के लौट में रुके थे।

कोलकाता में टीएमसी की शहीद दिवस रैली

अखिलेश बोले- दिल्ली की सरकार जल्द गिरेगी, ममता ने कहा- मैं भी इससे सहमत



बद्धता राजस्थान

अखिलेश बोले- दिल्ली की सरकार जल्द गिरेगी, हमारे खुशियों के दिन आएंगे

टीएमसी की शहीद दिवस रैली में सप्त प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, जब हम देश की राजनीति को देखते हैं तो आज की नईति बढ़ी है। सांप्रदायिक ताकें बहुयत रख रही हैं। जो साथ में लोग हैं और दिल्ली के इवारे पर जो लोग अलग-अलग जाहों पर बैठे हैं वो लोकार्थ बढ़ते रहते हैं। बंगाल में आपने भाजपा को पीछे छोड़ दिया, उत्तर प्रदेश ने भी आपके साथ भिलकर पीछे छोड़ दिया। ये जो कुछ दिन के लिए जल्द आए हैं ये कुछ दिन के लिए जल्द आए हैं। इसमें लाखों कार्यकर्ता शामिल हुए। ममता हर साल शहीद दिवस रैली की वजह पहली बड़ी रैली है। इसमें लाखों सरकारी वर्करों की वजह पहली बड़ी रैली है।

सरकार ने एक दिन के लिए जल्द आए हैं। ये जो खुशियों के दिन आएंगे। ये सरकार गिरने वाली है। हम एक दिन देखेंगे कि यही सरकार गिरेगी और हमारे आपके लिए खुशियों के दिन आएंगे।



ममता बोलीं - अखिलेश की बात से सहमत, दिल्ली में सरकार रिक्त नहीं

रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मैं बाहती हूँ कि बंगाल के साथ दिल्ली के संघर्ष अच्छे हैं। आप समाजादी यादव यहां आए, मैं आपका शुक्रिया अदा करती हूँ। मैं समाजादी पार्टी का अधिनियन करना चाहूँगी याकी उत्तर प्रदेश में आपने जो खेल दिया है। मैं आपके साथ सहमत हूँ कि दिल्ली में सरकार ने एजेंसी लगाकर, तुनाव आयोग को लगाकर जा सरकार लाई गई है।

जयपुर में हुई झामाझाम बारिश, उमस से राहत नहीं राजस्थान में अब तक सामान्य से 1 फीसदी ज्यादा बरसात अवधि जिलों में पारा 42 डिग्री



बद्धता राजस्थान

जयपुर। 5 दिनों के इंतजार के बाद रविवार को बारिश हुई। दोपहर कीरीब 12 बजे शुरू हुआ बरसात का दौर 15 मिनट तक चला। हालांकि, उमस से बेहाल लोगों के लिए प्रेशरने के बावजूद आरक्षण की गयी थी। ये जल जारी करने वाले नहीं हैं। भौलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। भौलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ में तेज बारिश हो सकती है। राजस्थान में अब तक के मौसम की स्थिति देखें तो कुल 150.6 एमएम बारिश हो चुकी है, जबकि 20 जुलाई तक 149.6 एमएम औसत बरसात होती है। इस तरह अब तक सामान्य से 1 फीसदी ज्यादा बरसात अवधि जिलों में पारा 42 डिग्री से ऊपर है।

आपानक बद्धता गैराम, नहीं मिली राहत

जयपुर के अधिकरत हिस्सों में रविवार सुबह कीरीब 12 बजे हुई। शहर की मालवीय नगर, टोके रोड सहित कई इलाकों में तेज बरसात हुई। इससे कई जगह जल जामाव भी हो गया। जयपुर में बोते कई दिनों बारिश नहीं होने के कारण उमस और गर्मी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बांगलादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने का फैसला पलटा

रिजर्वेशन की सीमा 56 से घटाकर 7% की, इसके खिलाफ हिंसा में 115 मौतें हो चुकीं

बद्धता राजस्थान



बांगलादेश में कैसी थी आरक्षण की व्यवस्था

बांगलादेश 1971 में आजाद भुगा था। बांगलादेश की रिपोर्ट के मूलांकित इसी साल से वहां पर 80 फॉटोग्राफ़ी को प्रसारित किया गया। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी थी। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इस साल 5 जून को वहां के हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले को पलटते हुए दोबारा आरक्षण दिया था। इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-अलग कैटरियरों को यिन्हें वाला 5% आरक्षण दिया था। लेकिन इसके बाद से ही बांगलादेश में हिंसा का दौर शुरू हो गया। न्यूज़ एंजेसी ने यिन्हें वाला 30% था। बांगलादेश की व्यवस्था में अब तक 115 लोग मरे जा चुके हैं। हालात विहंगों के बाद सरकार ने पूरे देश में कफ़्यूल लगाया है। प्रश्नान्वयिताओं को देखते ही गोली मारने के आदेश दिया गया है। इसमें से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के लिए आरक्षण की गयी था। बांगलादेश की सरकार ने 2018 में अलग-